पत्रांक 3146 / 19.5.14

16 MAY 2014

SPOEPE

BEP 1121 19.5.14

# विद्यालय निरीक्षण प्रतिवेदन

1. **विद्यालय का नाम** : रा0म0वि0, पुरुषोत्तमपुर डायस कोड संख्या : 10191804901
2. **पंचायत** : इन्द्रवारा : प्रखण्ड : मोरवा जिला : समस्तीपुर
3. **निरीक्षण की तिथि** : 22.04..2014
4. **निरीक्षी जन प्रतिनिधि/पदाधिकारी का नाम** : हसन वारिस, निदेशक, एस0सी0ई0आर0टी0,पटना–6.
   श्री संजय कुमार, जिला कार्यक्रम पदा0, समस्तीपुर
   श्री अवधेश कुमार, जि0 का0 पदा0 (स्था0), समस्तीपुर
5. **कुल नामांकित बच्चे** : 628 उपस्थित बच्चे : 330 प्रतिशत : 53%
6. **कुल शिक्षक** : 13 उपस्थित शिक्षक: 10 प्रतिशत : 77%
7. **कक्षावार नामांकन, उपस्थिति तथा प्रतिशत :**

| | नामांकित छात्र | नामांकित छात्रा | उपस्थित छात्र | उपस्थित छात्रा | उपस्थित प्रतिशत छात्र | उपस्थित प्रतिशत छात्रा |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कक्षा–1 | - | - | - | - | - | - |
| कक्षा–2 | 24 | 16 | 11 | 06 | 46 | 38 |
| कक्षा–3 | 37 | 32 | 12 | 15 | 32 | 47 |
| कक्षा–4 | 37 | 25 | 20 | 19 | 54 | 76 |
| कक्षा–5 | 40 | 27 | 19 | 16 | 48 | 59 |
| कक्षा–6 | 22 | 34 | 12 | 21 | 55 | 62 |
| कक्षा–7 | 80 | 86 | 39 | 59 | 49 | 69 |
| कक्षा–8 | 64 | 104 | 32 | 49 | 50 | 47 |
| कुल | 304 | 324 | 145 | 185 | 48 | 57 |
| Grand Total | नामांकित विद्यार्थी – 628, उपस्थित विद्यार्थी – 330, प्रतिशत – 53 | | | | | |

(कृ0उ0पृ0–2)

8. आधारभूत संरचना की स्थिति :

| सामग्री | निर्मित (संख्या दें) | निर्माणाधीन (संख्या दें) | उपयोग योग्य (हाँ / नहीं) | मरम्मति / रख–रखाव की आवश्यकता (हाँ / नहीं) |
|---|---|---|---|---|
| कक्षा–कुल संख्या | 16 | – | 15 – हाँ | एक कक्ष में मरम्मति की आवश्यकता है |
| पेय जल | 02 | – | हाँ | एक हैंड पम्प के मरम्मति की आवश्यकता है |
| शौचालय | 05 | – | – | सभी शौचालय के मरम्मति की आवश्यकता है |
| बालिका शौचालय | – | – | – | – |
| किचेन शेड | 01 | – | – | – |
| HM कमरा + शिक्षकों का कक्ष | एक कमरे का उपयोग प्रधानाध्यापक के कक्ष के रूप में हो रहा है । | | | |
| चेतना सत्र स्थल | 01 | – | – | – |
| खेल मैदान | 01 | – | – | – |
| खेल सामग्री | – | | | |
| चहारदिवारी | नहीं | | | |

9. शैक्षिक सामग्री – उपलब्धता, उपयोग की स्थिति :

| सामग्री | उपलब्ध / अनुपलब्ध | छात्र द्वारा उपयोग (हाँ / नहीं) | शिक्षक द्वारा उपयोग (हाँ / नहीं) |
|---|---|---|---|
| पाठ्य पुस्तक | उपलब्ध | हाँ | नहीं |
| शिक्षक साथी | उपलब्ध | नहीं | नहीं |
| सेतु सामग्री | उपलब्ध | नहीं | नहीं |
| पुस्तकालय हेतु पुस्तक | उपलब्ध | नहीं | नहीं |
| खेल का सामान | उपलब्ध | नहीं | नहीं |

(कृ0उ0पृ0–3)

| | | | |
|---|---|---|---|
| TLM | | | |
| छात्र प्रगति पत्रक | उपलब्ध | नहीं | हाँ |
| विद्यालय प्रगति पत्रक | उपलब्ध | नहीं | नहीं |
| शिक्षक प्रगति पत्रक | उपलब्ध | नहीं | नहीं |
| समाचार पत्र | – | – | – |

10. शैक्षिक गतिविधि : (√ का निशान लगाएँ):

| | उपयोग संतोषप्रद | सुधार आवश्यक | उपयोग नहीं हो रहा है | अभ्युक्ति |
|---|---|---|---|---|
| गीत गाना | | | | |
| श्यामपट्ट का उपयोग | श्यामपट का उपयोग संतोषजनक नहीं है । सुधार की आवश्यकता है । | | | |
| प्रथम कक्षा नामित शिक्षक | श्रीमती गीता कुमारी, वर्ग–I आज (आज अवकाश में हैं)<br>श्री सुनील कुमार मिश्र, वर्ग–II | | | |
| दक्षता आधारित समूहीकरण (3,4,5) | प्रधानाध्यापक के अनुसार किया गया है । | | | |
| शिक्षक साथी गतिविधियों का उपयोग | उपयोग नहीं हो रहा है । आजतक किसी ने पलटकर नहीं देखा है । | | | |
| संकुल प्रभारी का सहयोग | किसी तरह का academic support नहीं ।<br>प्रधानाध्यापक के बनुसार केवल आँकड़ा इकट्ठा करते हैं । | | | |
| प्रखण्ड साधन व्यक्ति का सहयोग | श्री राजीव कुमार झा विद्यालय नहीं आते हैं । | | | |

11. सामुदायिक भागीदारी/गतिविधियाँ :

| गतिविधि | सक्रिय/निष्क्रिय | अभ्युक्ति |
|---|---|---|
| विद्यालय समिति | | नव गठित |
| मीना मंच | | गठन नहीं |
| बाल संसद | | गठन नहीं |
| अक्षर आँचल योजना | संचालित नहीं | |
| टोला सेवक | सक्रिय | |
| तालिमी मरकज | संचालित नहीं | |
| प्रेरक | संचाालित नहीं | |
| सामाजिक उत्सव का आयोजन | नहीं होता है | |

12. विद्यालय मूल्यांकन :

**शिक्षक कैसे हैं ?** { 1. विषय का ज्ञान : 2. पढ़ाने का तरीका }

(i) विद्यालय 12.00 बजे दिन में पहुँचा ।

(ii) सबसे पहले वर्ग–IV में दाखिल हुआ । श्रीमती मोनिका कुमारी वर्ग संचालित कर रही थीं । मैंने विभागीय निदेशानुसार बच्चों के पढ़ने की क्षमता को देखने के लिए उनसे पुस्तक पढ़ने को कहा । जब कोमल, तन्नु कुमारी आदि बच्चों ने यह कह दिया कि वे पुस्तक पढ़ना नहीं जानती हैं, तो मैंने बच्चों से पूछा जो बच्चे पुस्तक पढ़ना जानते हों, हाथ उठायें । उपस्थित 39 छात्र/छात्राओं में से मात्र 11 ने हाथ उठाया । इन 11 में से भी 2–4 हीं fluency के साथ पुस्तक पढ़ सके, अन्य ने रूक–रूक कर पढ़ा ।

(iii) वर्ग–V, VI, VII, VIII आदि वर्गों में भी अधिकतर छात्र/छात्राएँ पुस्तक की reading देने में सक्षम नहीं पाये गये ।

(iv) स्कूल भवन के प्रथम तल पर वर्ग–VI, VII और VIII संचालित होता है । तीनों वर्गों के शिक्षक श्री नियाज अहमद, श्रीमती अंजली और एक अन्य शिक्षक वर्ग से बाहर आपस में बात करते मिले, जबकि वर्ग में बच्चे खचाखच भरे थे ।

(v) विद्यालय में शिक्षकों के साथ–साथ वर्ग कक्षों की पर्याप्त संख्या रहने के बाद भी एक ही कक्ष में एक छोर से दूसरी छोर तक बच्चे भरे हुए थे । ऐसे माहौल में न तो वर्ग सुचारू रूप से संचालित हो सकता है और न हीं बच्चे effectively शिक्षण ग्रहण कर सकते हैं ।

(vi) प्रधानाध्यापक श्री राम लीला पासवान के पास इस प्रश्न का कोई उत्तर नहीं था कि विद्यालय में वर्ग कक्ष और शिक्षक/शिक्षिका की availability के बाद भी वे इनका उपयोग क्यों नहीं कर रहे हैं ।

(vii) एक बन्द वर्ग कक्ष के बाहर श्रीमती रीना कुमारी, टोला सेविका, वर्ग–II के बच्चों का वर्ग संचालित कर रही थीं । वर्ग कक्ष उपलब्ध रहते हुए बाहर बरामदे पर वर्ग संचालित करने का कोई कारण प्रधानाध्यापक श्री पासवान नहीं बता सके । सन्दर्भित वर्ग कक्ष को खुलवाया गया और वर्ग–II के बच्चों को उसमें shift किया गया । वर्ग कक्ष काफी बड़ा था, परन्तु साफ–सुथरा नहीं था ।

(viii) विद्यालय के प्रायः सभी शिक्षक/शिक्षिका अपने वर्ग के 5ः बच्चों का नाम भी नहीं जानते हैं और उनमें बच्चों के प्रति किसी भी तरह का लगाव/जुड़ाव नहीं पाया गया ।

(ix) एक महत्वपूर्ण तथ्य यह पाया गया कि जो बच्चे पुस्तक read करने में सक्षम थे या गणित के प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे, वे किसी–न–किसी से प्राईवेट ट्यूशन पढ़ते थे । अतः यह कहा जा सकता है कि उनके योग्यता में विद्यालय के शिक्षकों की कोई भूमिका नहीं है ।

(x) विद्यालय में शिक्षक साथी, सेतु सामग्री, छात्र प्रगति पत्रक एवं विद्यालय प्रगति पत्रक उपलब्ध है, परन्तु शिक्षक/शिक्षिकाओं के द्वारा इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है ।

(xi) विद्यालय के संकुल समन्वयक, श्री राम शंकर राय के द्वारा विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं को किसी प्रकार का अकादमिक सहयोग नहीं दिया जाता है ।

(xii) प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, श्री रामानन्द यादव विद्यालय में उपस्थित थे । जब उनसे शिक्षक/शिक्षिकाओं के शिक्षण के प्रति नकारात्मक मनोवृत्ति के बारे में पृच्छा की गयी और यह पूछा गया कि इसे दूर करने के लिए उन्होंने क्या कार्रवाई की हे, तो वे चुप रहे ।

उपरोक्त से स्पष्ट है कि विद्यालय में सभी साधन रहते हुए भी शिक्षक/शिक्षिकाओं में बच्चों के प्रति लगाव नहीं है । वे अपने कर्त्तव्य के प्रति उदासीन हैं । स्थल पर ही जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना, प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी से यह आग्रह किया गया किवे समय–समय पर विद्यालय का भ्रमण कर शिक्षकों का मनोबल बढ़ाएँ और बच्चों के प्रति उनमें सकारात्मक सोंच पैदा करने हेतु उन्हें आवश्यक दिशा–निर्देश दें । यह भी आग्रह किया गया कि यह सुनिश्चित करें कि संकुल समन्वयक विद्यालय आकर विद्यालय शिक्षक/शिक्षिकाओं के साथ वर्ग संचालित कर उनकी आवश्यकता के अनुसार लगातार उन्हें अकादमिक सहयोग प्रदान करें ।

**<u>आधारभूत संरचना कैसी है</u> ?** { परिवेश कैसा है, बच्चों के आकर्षण हेतु कुछ विशेष अवयव है/नहीं, सह–शैक्षणिक गतिविधियाँ इत्यादि }

(i) विद्यालय का भवन कई खण्डों में है और अच्छी स्थिति में है, परन्तु चहारदिवारी नहीं है ।

(ii) सभी खण्डों में कुल 16 कक्ष हैं । एक कक्ष को छोड़कर अन्य 15 कक्ष अच्छी स्थिति में है । परन्तु, सभी कक्षों की साफ-सफाई असंतोषजनक है ।

(iii) मध्याह्न भोजन बनाने हेतु किचेन शेड है ।

(iv) विद्यालय में 5 शौचालय है । साफ-सफाई की स्थिति असंतोषजनक है । बालिकाओं के लिए अलग से शोचालय चिन्हित नहीं है ।

(v) पेयजल हेतु दो हैण्ड पम्प हैं ।

**विद्यालय कैसा है ?**

विद्यालय का आधारभूत संरचना पर्याप्त है । नामांकित बच्चों की संख्या भी संतोषजनक है । शिक्षक/शिक्षिकाओं की संख्या 13 है, जिसे पर्याप्त माना जा सकता है । बच्चों से वार्त्ता करने पर उनमें सीखने की ललक भी देखी गयी । परन्तु, शिक्षक/शिक्षिकाओं के competent रहने के बाद भी अपने कर्त्तव्य के प्रति जैसी प्रतिबद्धता अथवा बच्चों के प्रति जो जुड़ाव होना चाहिए था, वह नहीं पाया गया । निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि विद्यालय के शैक्षणिक माहौल को सुधारने हेतु शिक्षक/शिक्षिकाओं को लगातार प्रेरित करने की आवश्यकता है । इस हेतु स्थल पर उपस्थित प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रधानाध्यापक से अनुरोध किया गया कि लगातार विद्यालय एवं वर्ग कक्ष का अनुश्रवण कर शिक्षक/शिक्षिकाओं को आवश्यक अकादमिक सहयोग प्रदत्त करें ।

13. निरीक्षण तिथि को कितने बच्चों के लिए मिड–डे मिल बना ? – 330

14. निरीक्षण तिथि के एक दिन पूर्व कितने बच्चों के लिए मिड–डे मिल बना ? – 202

15. क्या मिड–डे मिल का लेखा अद्यतन है ? – हाँ

ह0/–
निदेशक,
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना–6.

ज्ञापांक__________/ पटना, दिनांक मई, 2014

प्रतिलिपि : प्रधानाध्यापक, राजकीय मध्य विद्यालय, पुरूषोत्तमपुर, पंचायत–इन्द्रवारा, पोस्ट–इन्द्रवारा, प्रखण्ड–मोरवा, जिला–समस्तीपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित ।

ह0/–
निदेशक,
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना–6.

ज्ञापांक__________/ पटना, दिनांक मई, 2014

प्रतिलिपि : जिला पदाधिकारी, समस्तीपुर/जिला शिक्षा पदाधिकारी, समस्तीपुर/जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, समस्तीपुर की सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित ।

ह0/–
निदेशक,
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना–6.

ज्ञापांक 1566 / पटना, दिनांक 07 मई, 2014

प्रलिलिपि : राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, बिहार, पटना/निदेशक, मध्याह्न भोजन योजना, बिहार, पटना/निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, बिहार, पटना/क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक, दरभंगा प्रमंडल, दरभंगा, बिहार, पटना की सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

7.5.14

निदेशक,
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना–6.